



# भारत का अज्ञापन The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—पृष्ठ (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 144]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 15, 1993/चैत्र 25, 1915

No. 144] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 15, 1993/CHAITRA 25, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली आती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation**

संचार भवालय

( डाक विभाग )

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1993

सा. का. नि. 375 (ग्र) :—भारत के राजपत्र असाधारण भाग-II, खंड-3, उपखंड (i) में सा. का. नि. 260 (ग्र)। दिनांक 3 मार्च, 1993 के अंतर्गत प्रकाशित अधिसूचना के हिन्दी पाठ में पृष्ठ—2 की दूसरी पंक्ति में आए शब्द “द्विभाजित” को “द्विभाजित” और पृष्ठ—2 के ही दूसरे पैराग्राफ की छठी पंक्ति में आए शब्द “प्रजोनार्थ” को “प्रयोजनार्थ” पढ़ा जाए। इस अधिसूचना के अंग्रेजी पाठ के दूसरे पैराग्राफ की सातवीं और आठवीं पंक्ति में तथा चौथे पैराग्राफ की दूसरी पंक्ति में आए शब्द “पोस्टमास्टर जनरल, गुजरात सर्किल” को “मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, गुजरात सर्किल” पढ़ा जाए।

[सं. 40—1/82-पीए-सीई/2917]

करुणा पिल्लै, निदेशक ( डाक लेखा—I )

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Posts)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 15th April, 1993

G.S.R. 375 (E).—The notification published under the GSR No. 260 (E) dated 3-3-1993 in the Gazette of India Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-Section (i), the word “द्विभाजित” arrived at the second line of page-2 may be read as “द्विभाजित” and the word “प्रजोनार्थ” arrived at the sixth line in para-2 of the same page may be read as “प्रयोजनार्थ” in the Hindi version. In the English version of the notification the words “Postmaster General, Gujarat Circle” arrived at the 7th & 8th line of Para-2 and at the 2nd line of para-4 may be read as “Chief Postmaster General, Gujarat Circle.”

[No. 40—1/82-PA-CE/2917]

KRUNA PILLAI, Director  
(Postal Accounts-I)

